International Journal of Engineering, Management, Humanities and Social Sciences Paradigms (IJEMHS)
(Volume 06, Issue 01)
Publishing Month: April 2014
An Indexed and Referred Journal with Impact Factor: 2.75
ISSN: 2347-601X
www.ijemhs.com

सार विवरण

शीर्षक: भारतीय पुनर्जागरण : सामाजिक–धार्मिक सुधार आन्दोलन की प्रकृति एवं स्वरूप : एक विश्लेषण

लेखक: डॉ. प्रदुमन सिंह

सार: सामान्य शब्दों में पुनर्जागरण का अर्थ है किसी ज्ञान को दोहराना या उसका फिर से जन्म होना। उन्नीसवीं सदी में हुए सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलन एक विशेष परिस्थितियों का परिणाम रहे हैं। भारत में विदेशी शासन के अर्न्तगत पाश्चात्य शिक्षा के प्रभाव से नए विचारों, ईसाई धर्म का आगमन, नई औपनिवेशिक संस्कृति के कारण भारतीयों को अपनी संस्कृति की सुरक्षा व समाज में सामाजिक, धार्मिक कमजोरियों व बुराईयों को दूर करने के लिए जागरूक भारतीयों ने, जैसे राजा राम मोहन राय, स्वामी विवेकानंद, स्वामी दयानंद जी आदि द्वारा सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलन की आवश्यकता महसूस हुई।

कुंजी शब्द: सामाजिक धार्मिक सुधार, पुनरूत्थान, बुद्धिवादी प्रवृति।